कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश करना चाहता है आस्ट्रेलिया

मुख्यमंत्री योगी से आस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने की भेंट

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : आस्ट्रेलिया ने प्रदेश में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश की इच्छा जताई है। बुधवार को आस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की और कृषि व सहायक क्षेत्र में निवेश पर विचार-विमर्श किया। उच्चायुक्त ने मुख्यमंत्री से कहा कि भारत और आस्ट्रेलिया के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का समृद्ध इतिहास है। उत्तर प्रदेश इन संबंधों को और मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। उत्तर प्रदेश में बहुत संभावनाएं हैं और आस्ट्रेलियाई कंपनियां इन संभावनाओं को विस्तार देने के लिए उत्साहित हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को सरकारी आवास पर मुलाकात करते आस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन साथ में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ● सूचना विभाग

अपने सरकारी आवास पर हुई मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सबसे बड़ी आबादी का यह प्रदेश भारत के फूड बास्केट के रूप में विशिष्ट पहचान रखता है। हमारे पास देश की कुल कृषि भूमि का 12 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि देश की खाद्यान्न जरूरतों का 20 प्रतिशत प्रदेश में ही पैदा होता है। उत्तर प्रदेश में 85 प्रतिशत कृषि भूमि सिंचित है और इसे विस्तार दिया जा रहा है। प्रदेश का किसान परिश्रमी है और नवाचारों को अपनाने वाला है। ऐसे में यदि आस्ट्रेलिया की कृषि तकनीक हमारे किसानों को मिलेगी तो निश्चित ही कृषि, उद्यान, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक जिला-एक डेयरी के बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाने वाला है। इसमें आस्ट्रेलिया से तकनीकी सहयोग मिलना उत्साहवर्धक होगा। संख्या में प्रदेश के युवा उच्च शिक्षा के लिए आस्ट्रेलिया जाते हैं। यह उचित होगा वहां के विश्वविद्यालय, यूपी के शैक्षिक संस्थानों के साथ शोध, अनुसंधान करने और तकनीकी ज्ञान के हस्तांतरण के लिए एमओयू करते हुए आगे बढ़ें। साथ ही आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय प्रदेश में अपने परिसर स्थापित करने पर भी विचार करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की एफडीआइ और फार्च्यून 500 कंपनियों के लिए घोषित नीति को आस्ट्रेलियाई निवेशकों के लिए उपयोगी बताया। आस्ट्रेलियाई दल के साथ वार्ता के दौरान कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस. गर्ग आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।